छोटा सुअर

अर्नोल्ड लोबेल

छोटा सुअर

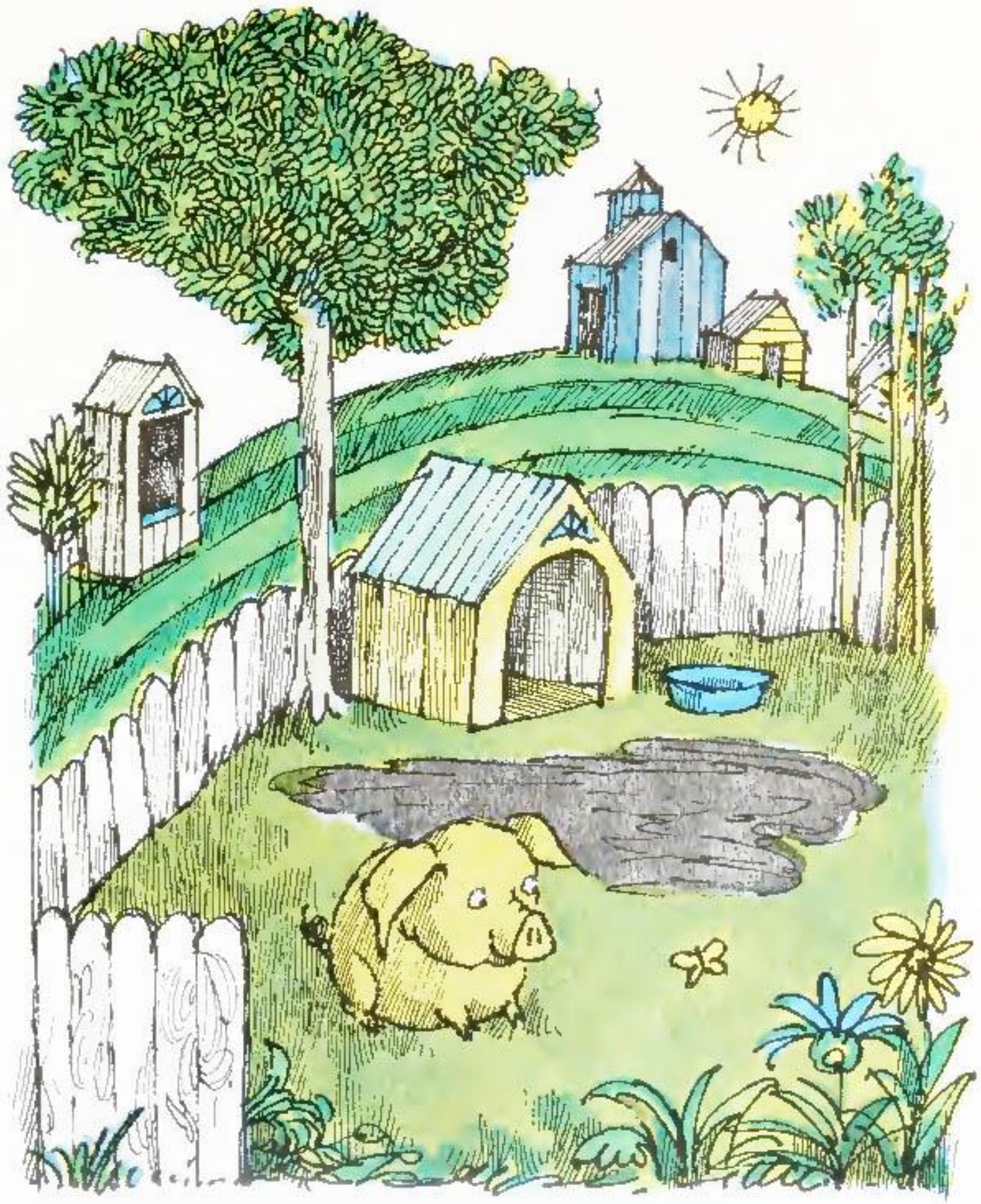

छोटा सुअर

एक फार्म पर एक सुअर
अपने बाड़े में रहता है.

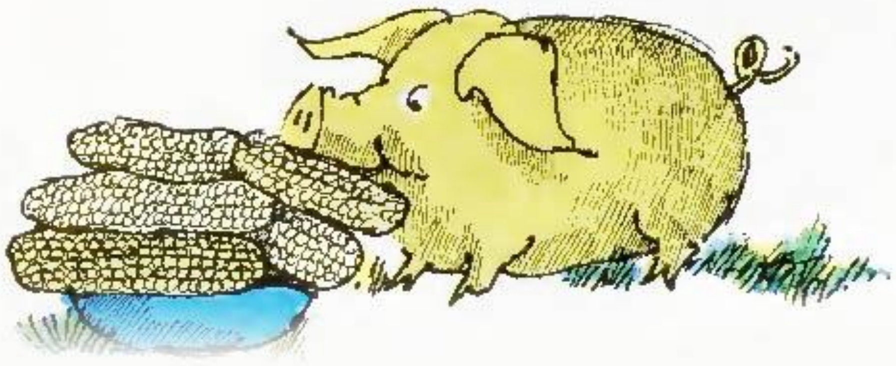

छोटे सुअर को खाना बहुत पसंद था,

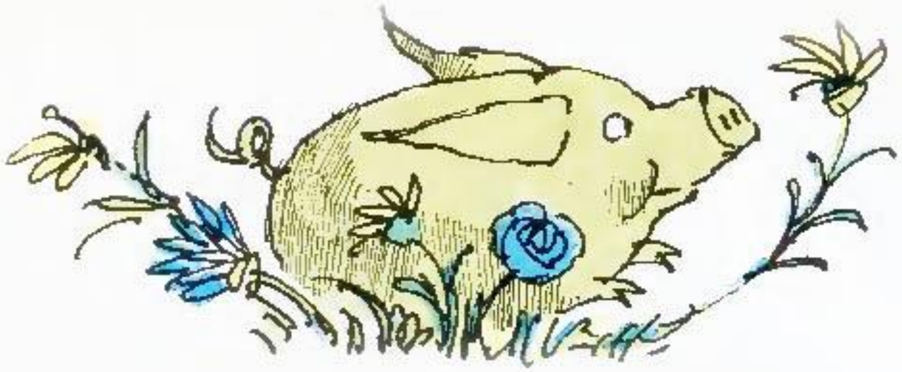

और उसे खलिहान के चारों ओर दौड़ना भी पसंद था,

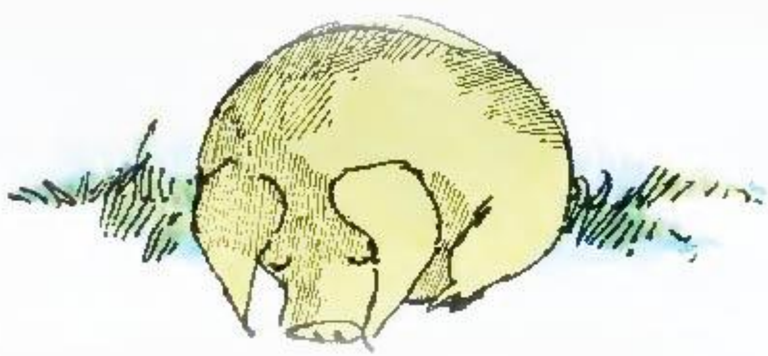

और उसे सोना बेहद पसंद था.

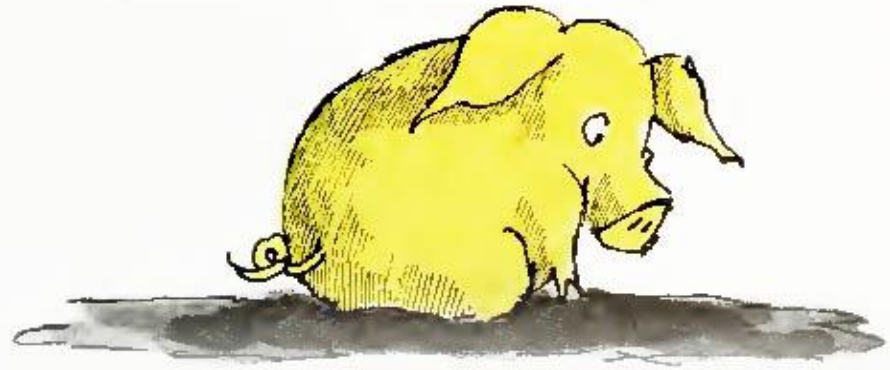

लेकिन सबसे ज़्यादा छोटे सुअर को

अच्छी, मुलायम मिट्टी में बैठना पसंद था

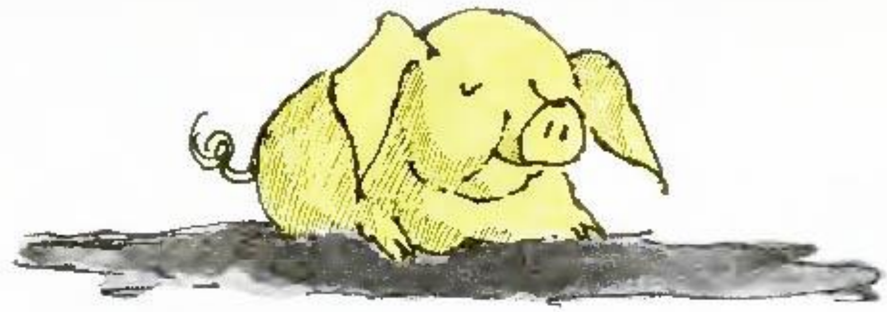

उसे मिट्टी में लोटना पसंद था.

किसान और उसकी पत्नी को अपना छोटा सुअर बहुत पसंद था.

वे कहते थे, "हमें लगता है कि वो दुनिया का सबसे अच्छा सुअर है."

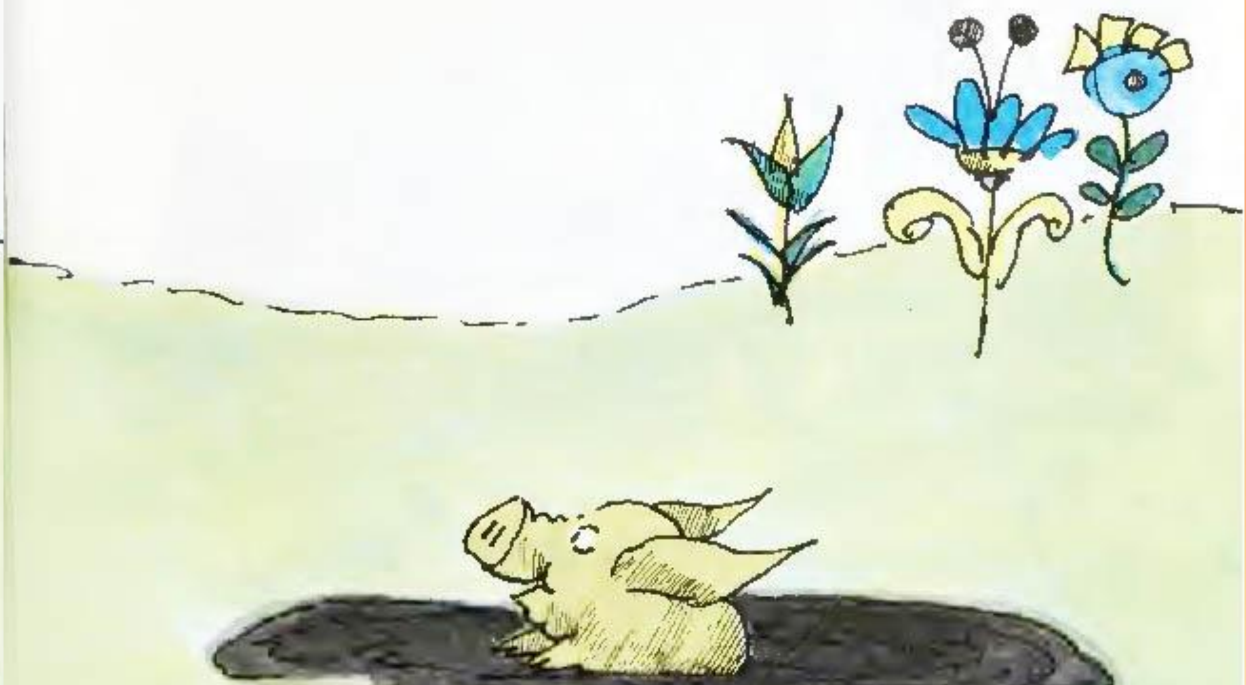

एक सुबह किसान की पत्नी ने कहा,
"आज मैं अपना घर साफ करूंगी."

फिर उसने ऊपर सफाई की.
और उसने नीचे सफाई की.

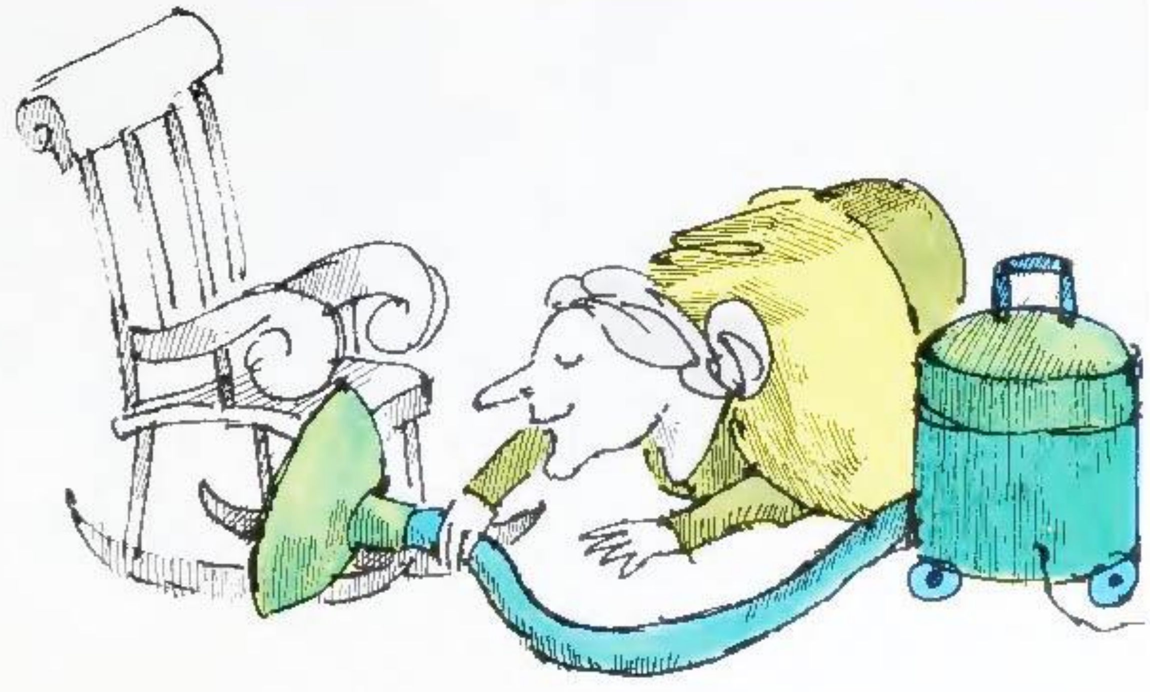

किसान की पत्नी ने कहा, "अब मेरा घर बेदाग है."

"लेकिन इस फार्म का बाकी हिस्सा अभी भी काफी गंदा है.

अब मैं काम पर लगूंगी और उसे भी साफ करूंगी."

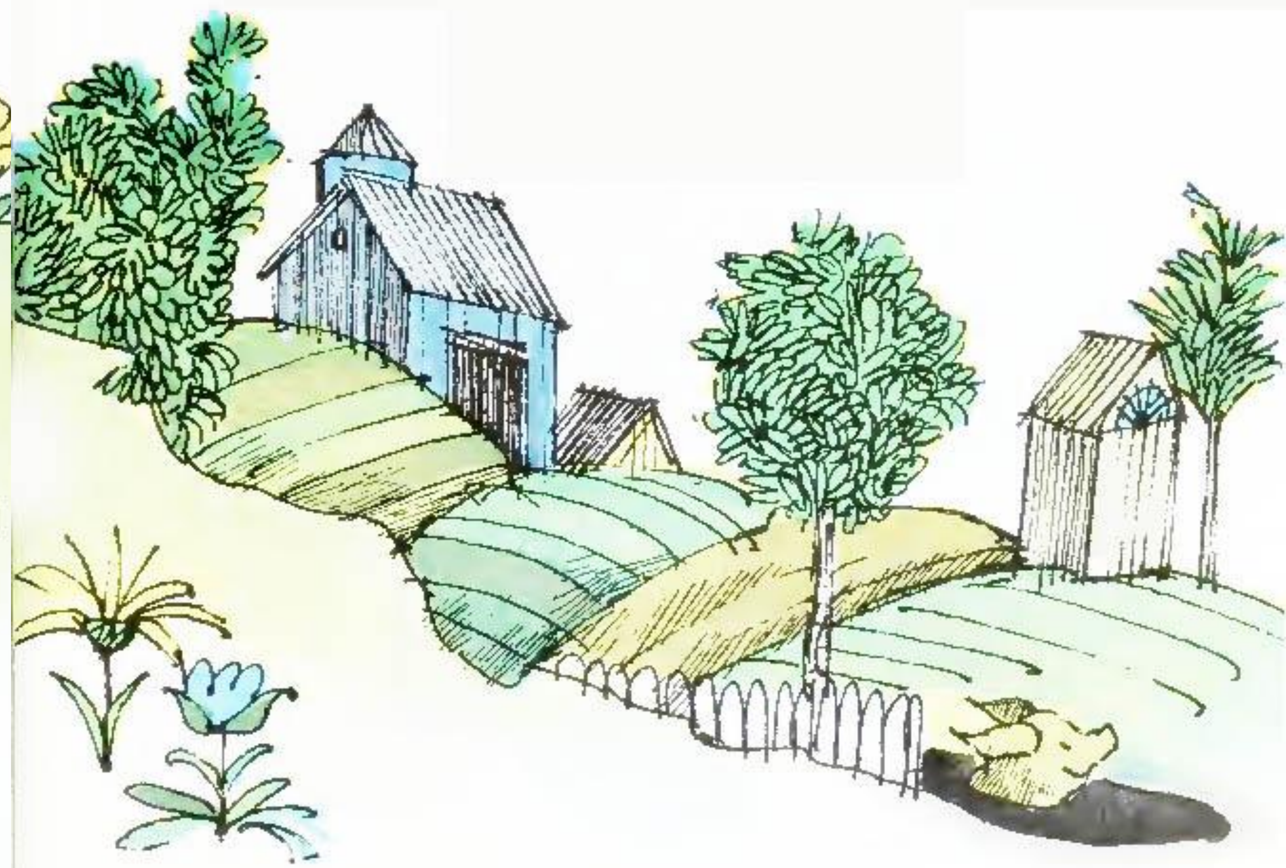

किसान की पत्नी ने खलिहान
और अस्तबल की सफ़ाई की

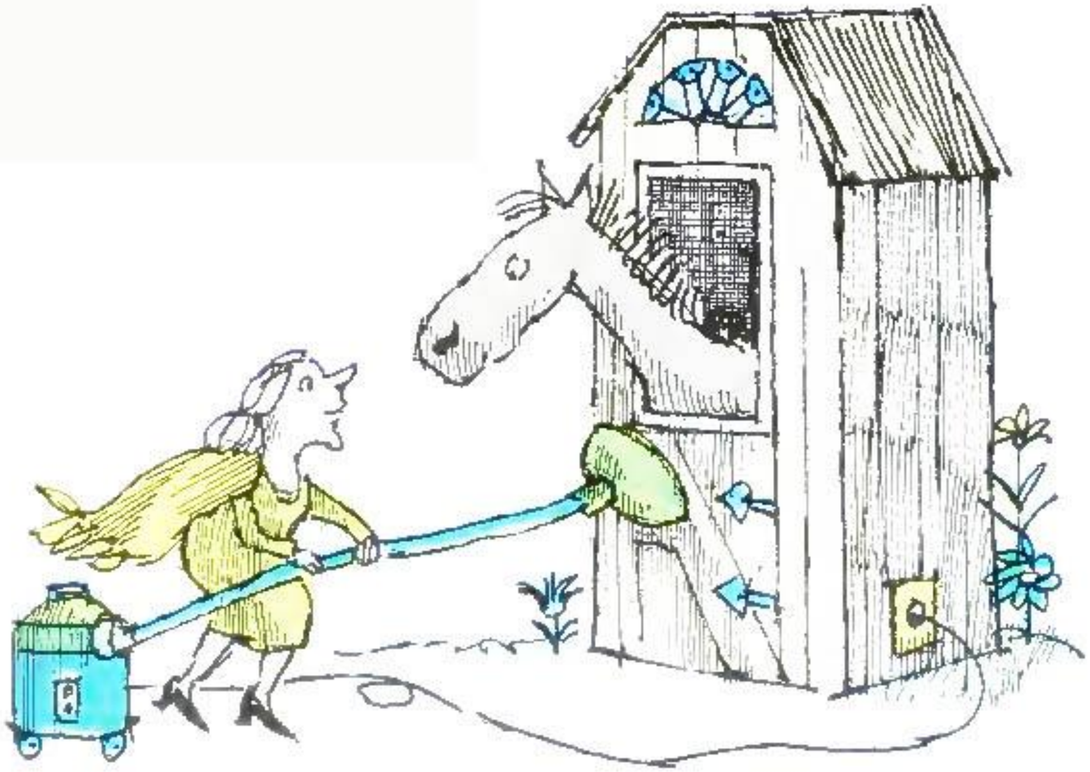

और साथ में मुर्गियों के दबड़े की भी.

फिर वो सुअर के बाड़े के पास आई.

"हे भगवान!" किसान की पत्नी रोई.

"यह तो सबसे गंदी जगह है."

फिर उसने सुअर का बाड़ा साफ किया,
और उसने सुअर को रगड़कर नहलाया.

फिर किसान की पत्नी ने कहा, "यह बेहतर है."

"अब सब कुछ साफ-सुथरा और चमकदार है."

"मेरी अच्छी, मुलायम मिट्टी कहाँ गई?" छोटे सुअर ने पूछा.

"मुझे लगता है तुम्हारी मिट्टी की सफाई और धुलाई हो गई," किसान ने कहा, "मुझे माफ़ करना."

छोटे सुअर को मिट्टी चले जाने का बहुत गुस्सा आया.

वो आग-बबूला हो गया.

"यह जगह बहुत साफ-सुथरी है

वो मेरे लिए बहुत ज़्यादा स्वच्छ है," सुअर ने कहा.

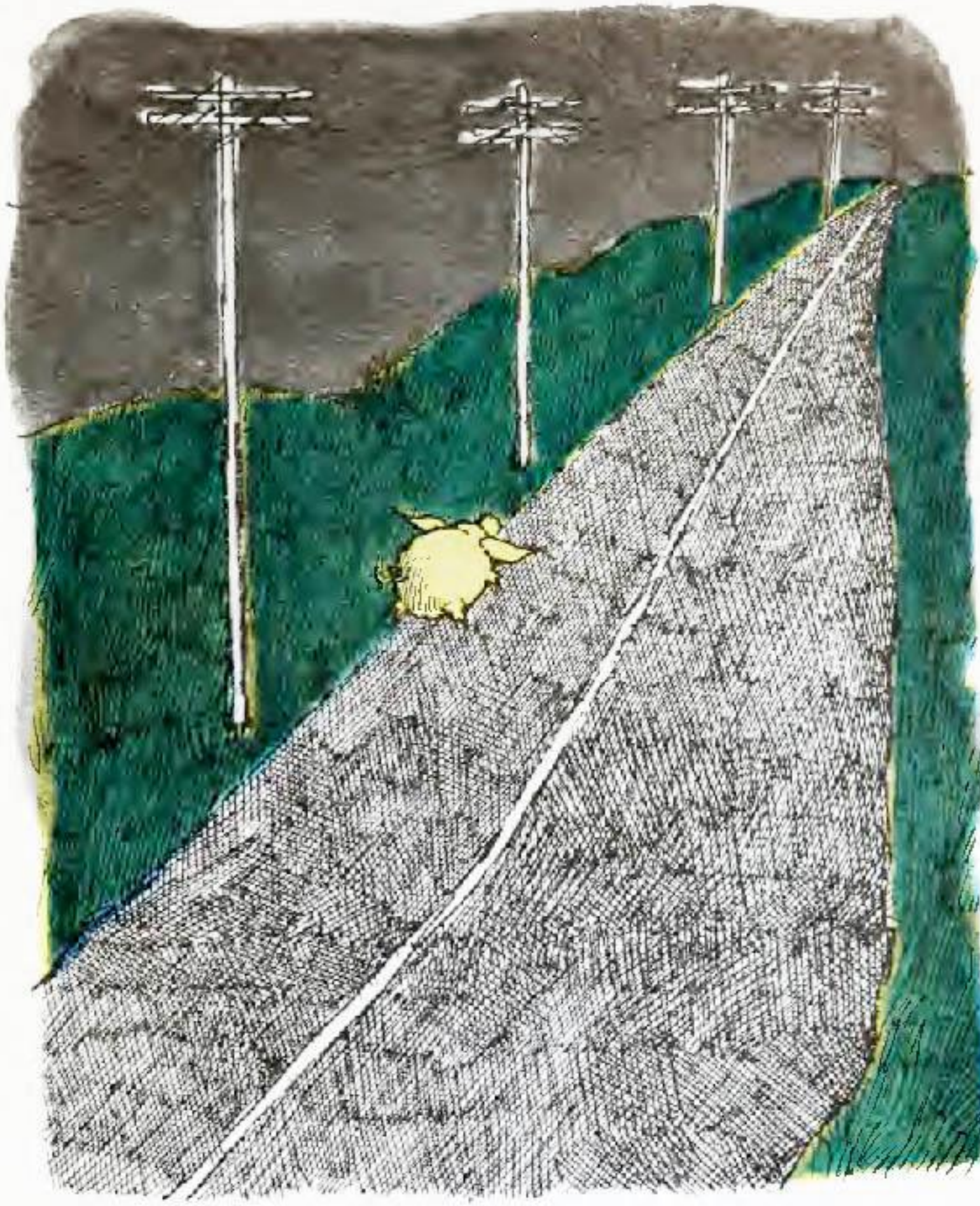

और फिर उस रात छोटा सुअर

फार्म छोड़कर भाग गया.

जल्द ही उसे एक दलदल मिला.

"वाह!" छोटा सुअर ख़ुशी से चिल्लाया.

"यहाँ कितनी अच्छी, मुलायम मिट्टी है."

छोटा सुअर वहीं बैठ गया
और कीचड़ में धँस गया.

"बहुत खूब," वो चिल्लाया,
और फिर वो वहीं सो गया.

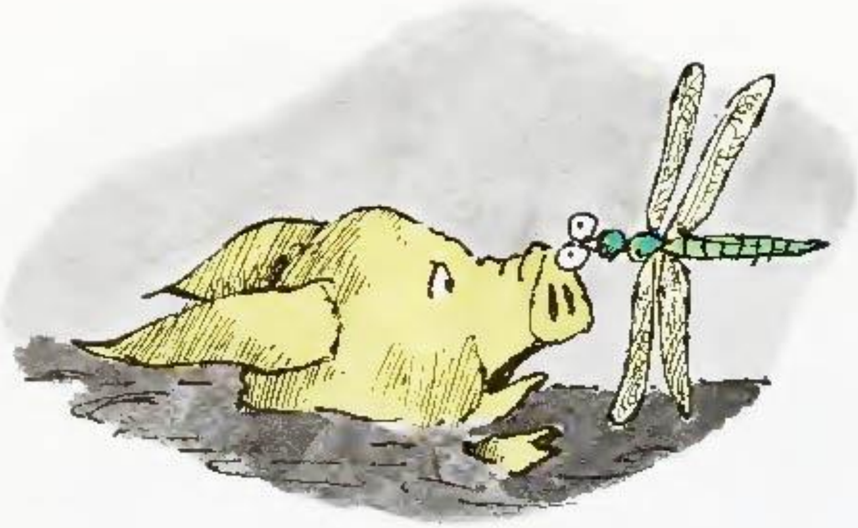

"अरे!" छोटा सुअर चिल्लाया

जब एक ड्रैगनफ्लाई उसकी नाक से आकर टकराई.

"उफ़!" छोटा सुअर चिल्लाया जब
एक मेंढक उसके सिर पर कूदा.

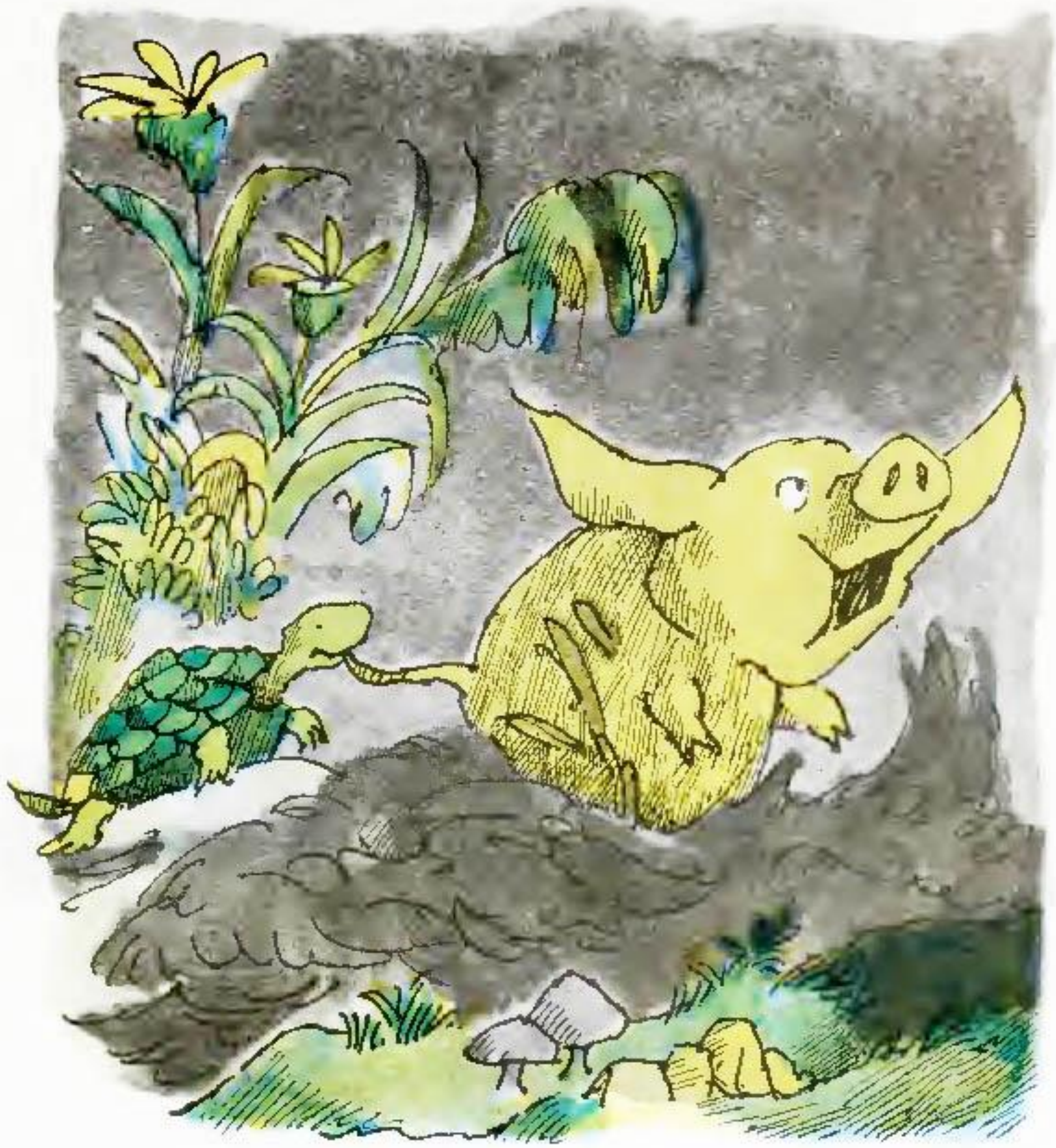

"अरे नहीं!" छोटा सुअर चिल्लाया
जब एक कछुए ने उसकी पूँछ काटी.

"तुम यहाँ से बाहर निकलो!"

एक बड़े साँप ने कहा.

"तुम हमारी जगह तुरंत छोड़ दो."

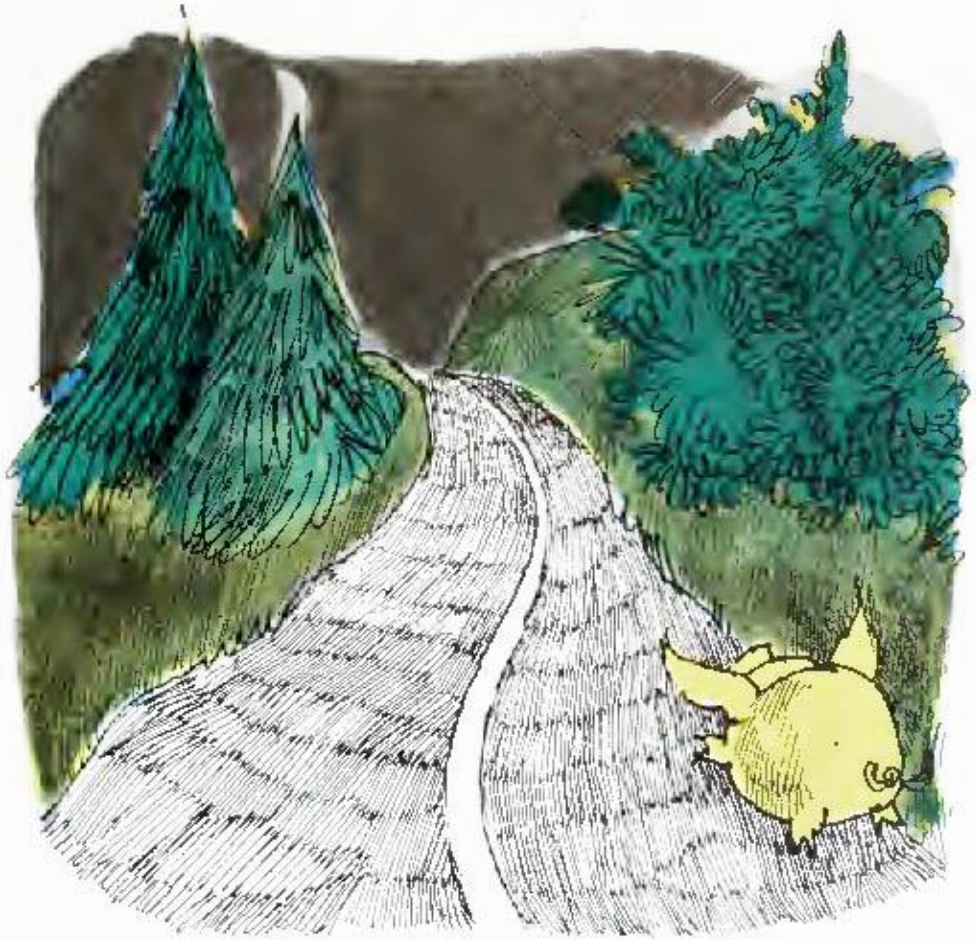

फिर छोटा सुअर

वहां से हटा और जल्दी से

सड़क पर दौड़ने लगा.

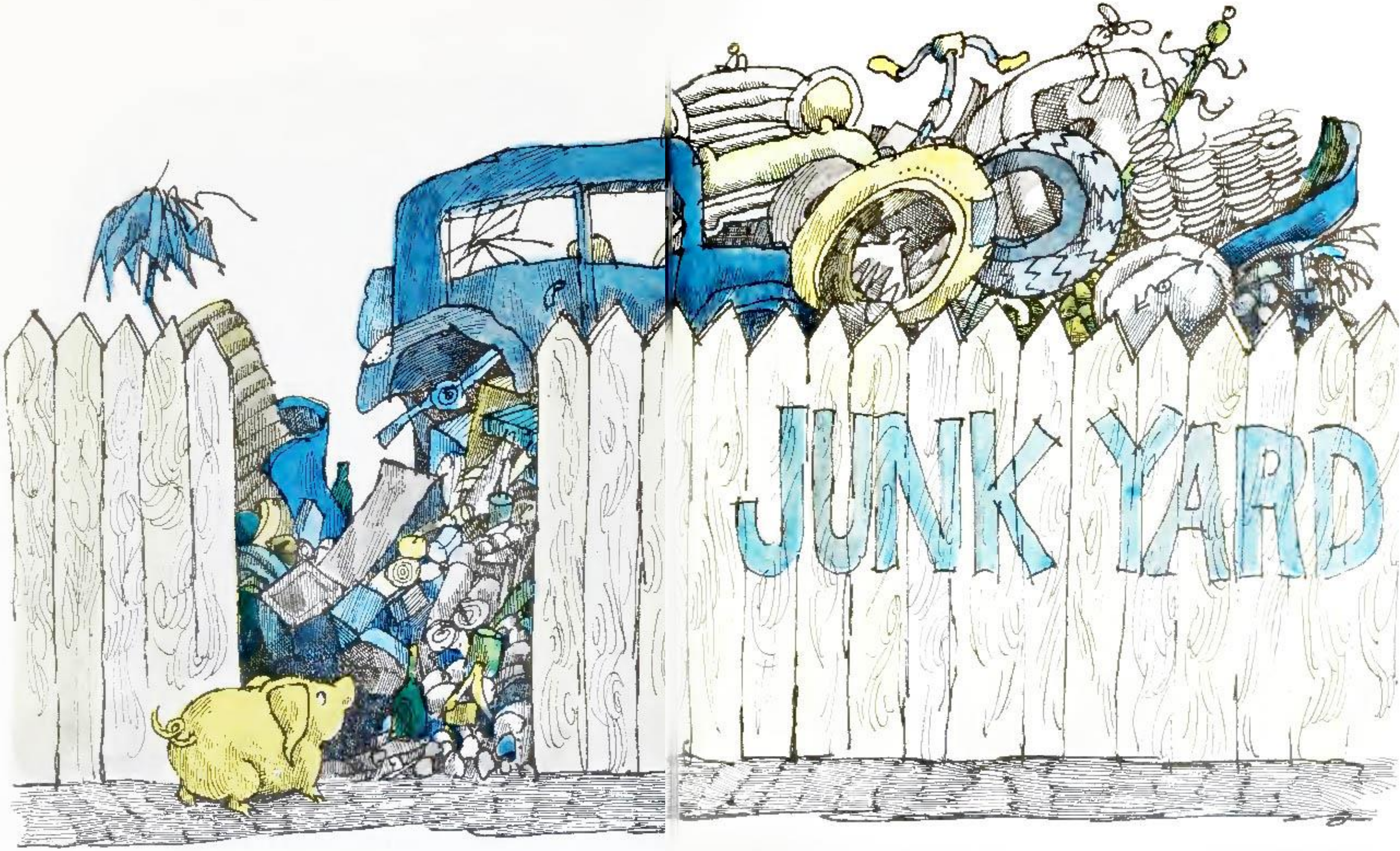

"यहाँ पर एक और बहुत गंदी जगह है,"
छोटे सुअर ने कहा.

"निश्चित रूप से यहाँ कहीं पास में
कुछ अच्छी, नरम मिट्टी भी होगी."

लेकिन वहां छोटे सुअर को केवल टूटी हुई बोतलें और पुराने टेलीविज़न सेट ही दिखे.

"कारें मज़ेदार होती हैं," छोटे सुअर ने कहा,
"लेकिन उनमें कीचड़ जैसा मज़ा नहीं है."

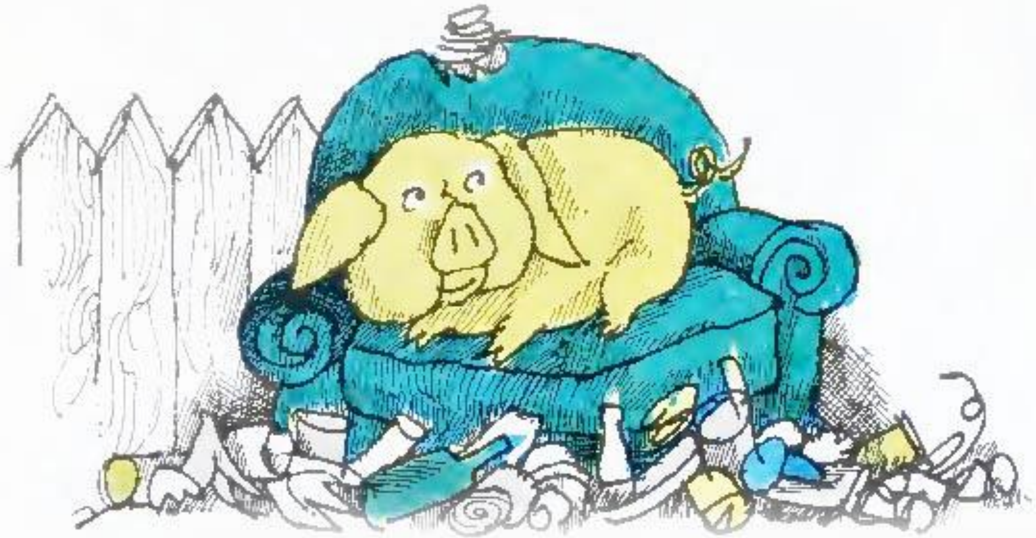

छोटे सुअर ने कहा, "सोफ़ा, मुलायम होता है,
लेकिन वो मिट्टी जितना मुलायम नहीं होता."

तभी उसे कुछ ऐसा दिखा जो उसे बिल्कुल पसंद नहीं आया.

"इसीलिए यहाँ आसपास कोई कीचड़ नहीं है!" छोटा सुअर रोया.

फिर वो दुबारा सड़क पर दौड़ने लगा.

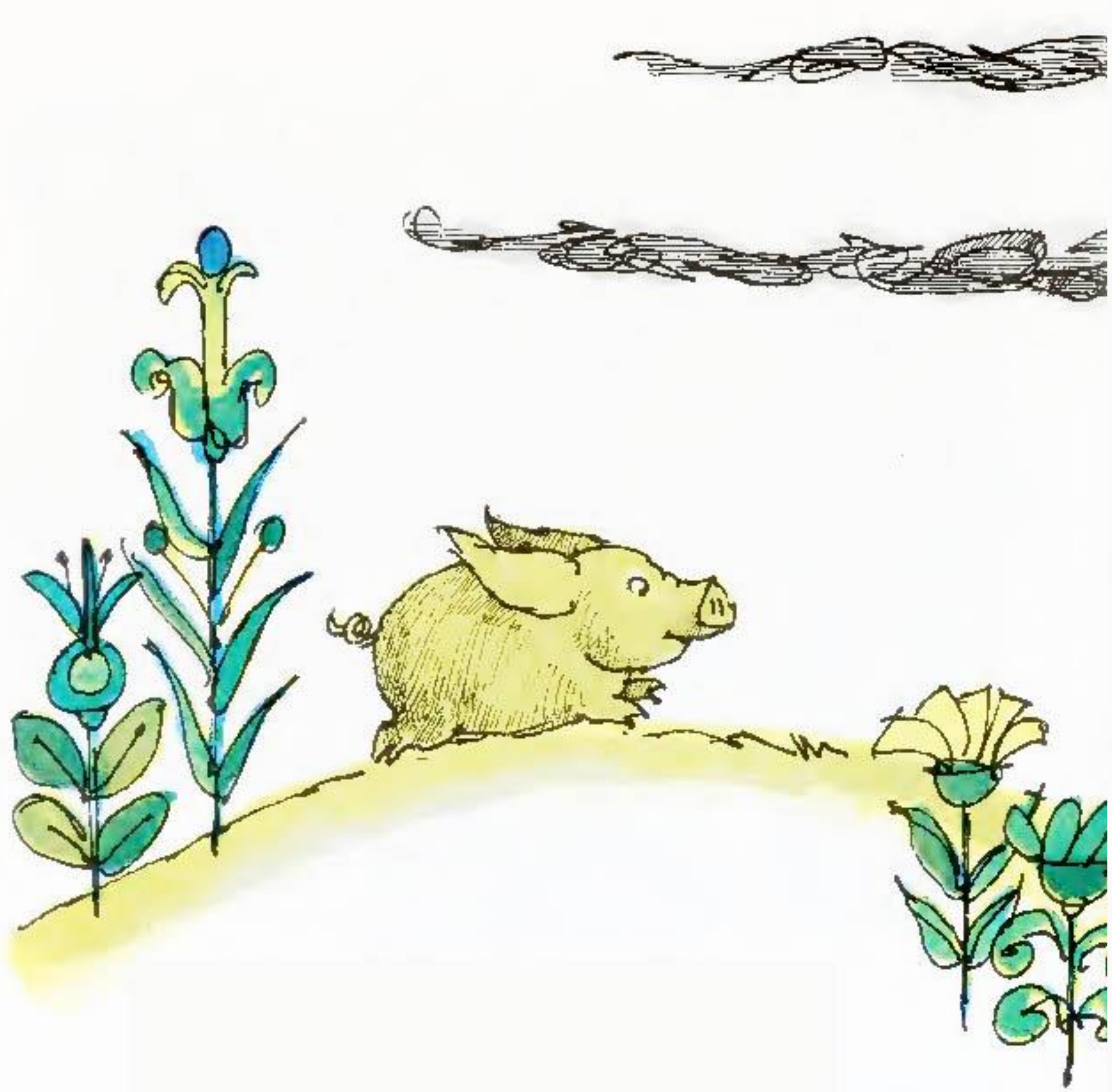

सड़क के अंत में एक बड़ा शहर था.

छोटे सुअर ने कहा, "यहाँ तो हवा भी गंदी है."

"निश्चित रूप से यहाँ आसपास में कुछ
अच्छी, नरम मिट्टी जरूर होगी."

फिर जल्द ही छोटे सुअर को वो मिला जिसकी उसे तलाश थी.

"वाह!" उसने कहा. "यहाँ कीचड़ है."

फिर वो बैठ गया और अच्छी मुलायम मिट्टी में धँस गया.

"यह कीचड़ बड़ी अजीब है,"
छोटा सुअर चिल्लाया.

"वो बिल्कुल भी नरम नहीं है.
वास्तव में, वो लगातार
और अधिक सख्त होती जा रही है."

उसने उठने और निकलने की कोशिश
की लेकिन वो बिल्कुल हिल नहीं पाया.

जल्द ही कुछ लोग छोटे सुअर
को घूरने के लिए वहाँ रुक गए.

फिर और अधिक लोग
छोटे सुअर को घूरने के लिए रुके.

फिर वहां पर लोगों की भीड़ लग गई.

क्योंकि लोगों ने कभी भी किसी सुअर
को फुटपाथ में फँसा हुआ नहीं देखा था.

किसान और उसकी पत्नी अपनी कार में वहां से गुज़रे.

"ज़रा लोगों का उस बड़ी भीड़ को तो देखो," किसान ने कहा.

"आओ रुकें और देखें कि क्या हो रहा है."

"ठीक है," किसान की पत्नी ने कहा.

"लेकिन ज़रा जल्दी करना. हमें अपने खोए हुए सुअर की तलाश करनी है."

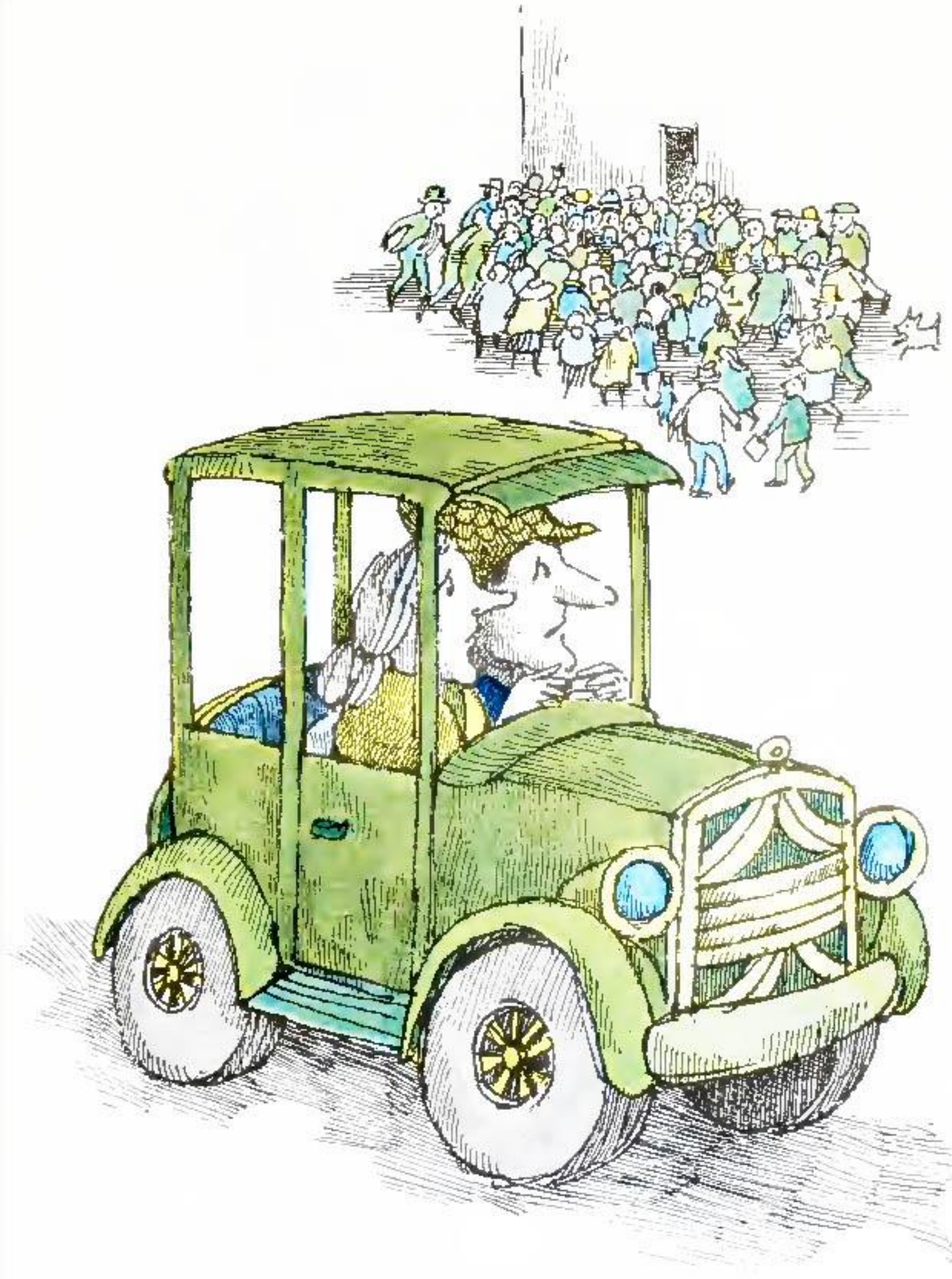

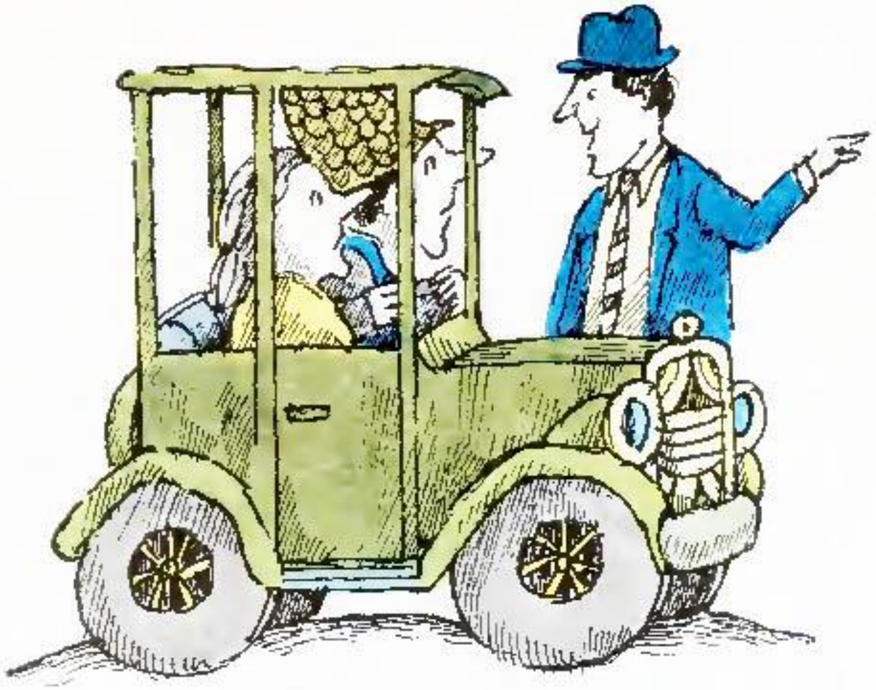

"हे भगवान!" किसान की पत्नी चिल्लाई.

"वो तो हमारा ही सुअर है.

वो फुटपाथ के सिमेन्ट में कैसे फंस गया?"

"पुलिस को बुलाओ!

फायरमैन को बुलाओ!" किसान चिल्लाया.

किसान ने गाड़ी रोक दी.

"यहाँ क्या हो रहा है?" किसान ने एक आदमी से पूछा.

"ओह, ज्यादा कुछ नहीं," आदमी ने कहा.

"वहां फुटपाथ पर एक सुअर फंसा हुआ है."

उस समय तक शहर के सभी लोग छोटे सुअर को देखने आ चुके थे.

पुलिस ने भारी भीड़ को रोकने की कोशिश की.

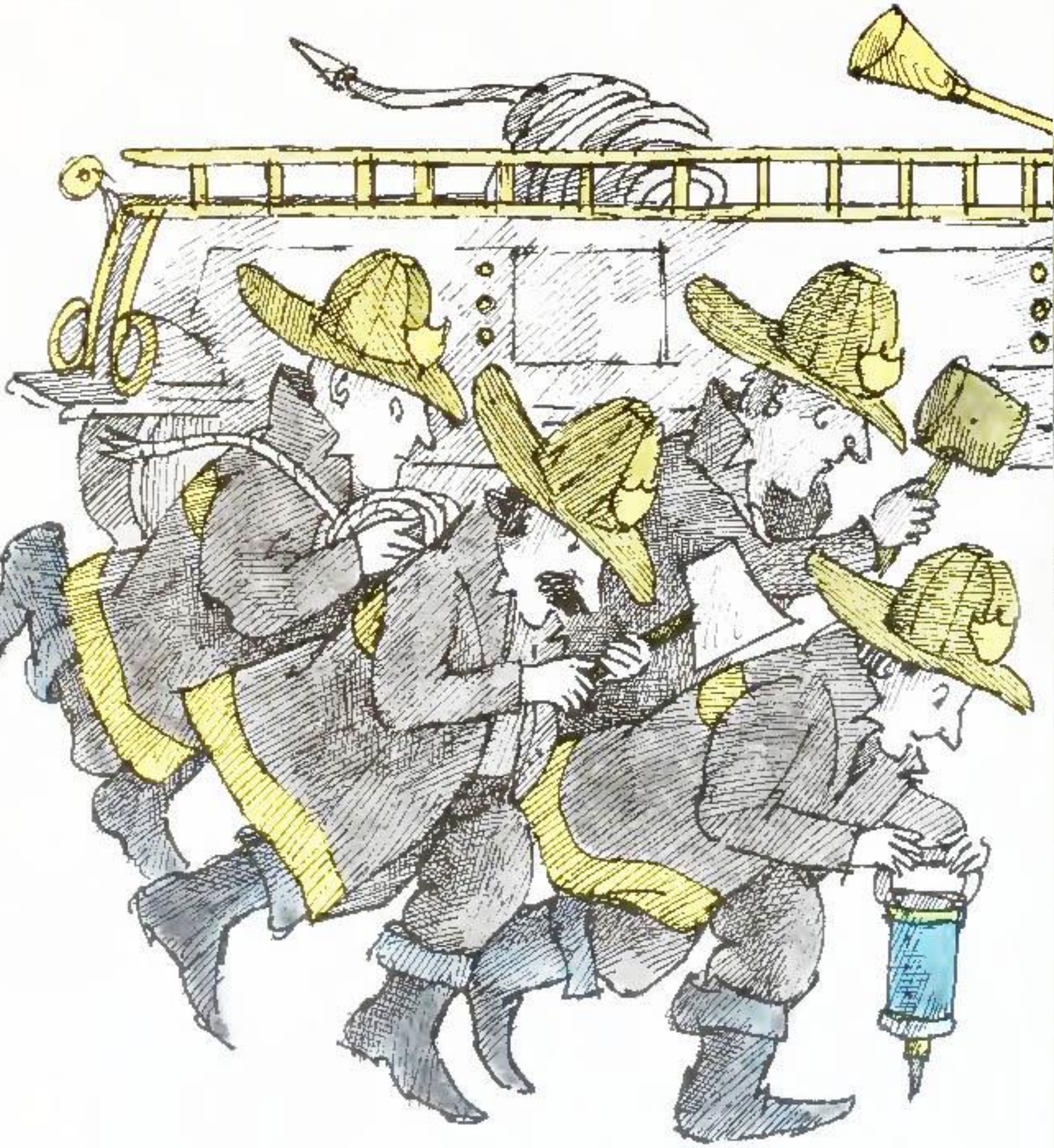

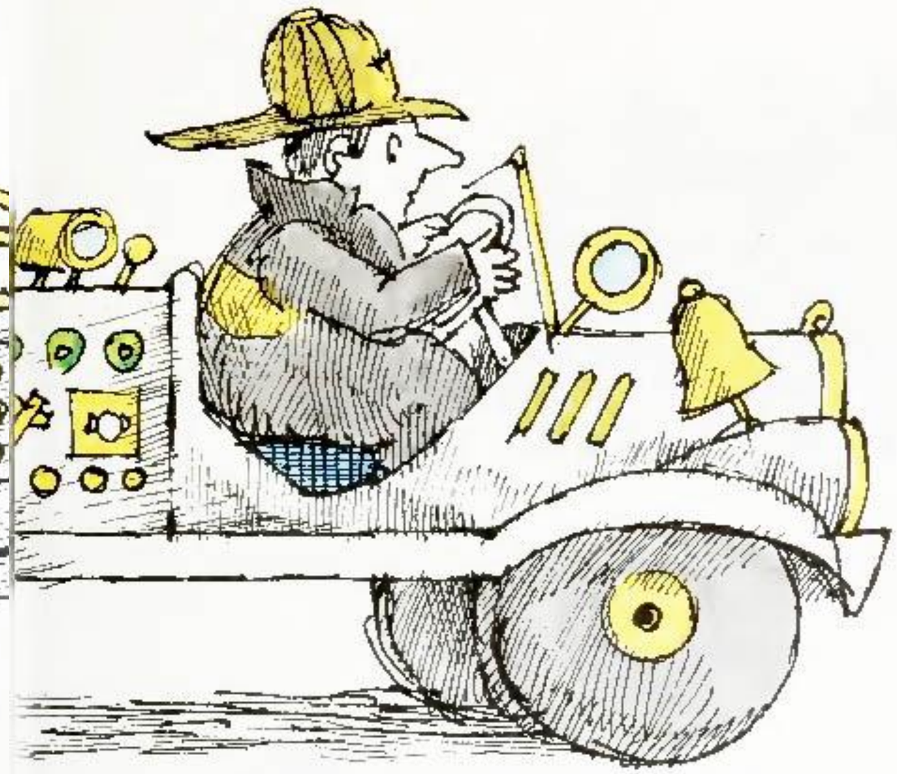

"कृपया," किसान की पत्नी ने कहा,
"बहुत सावधानी से काम करें. क्योंकि
हमारा सुअर दुनिया में सबसे अच्छा है."

फायरमैन फुटपाथ तोड़ने
के लिए उपकरण लाए.

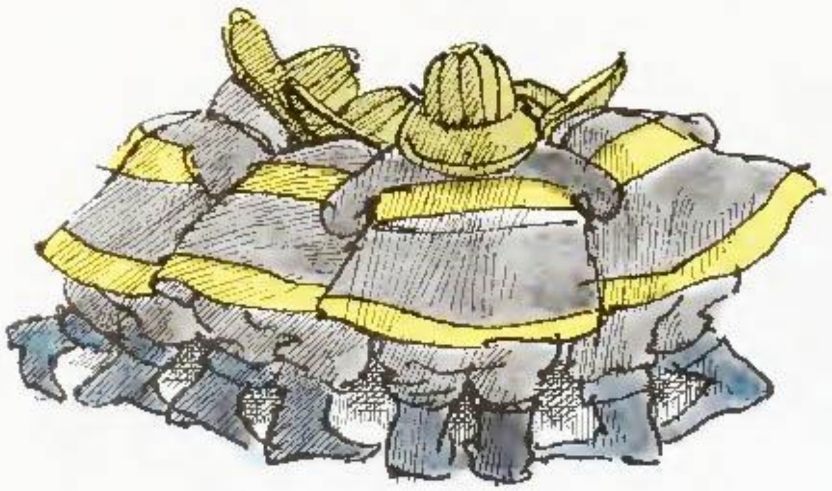

फायरमैन ने बहुत सावधानी से काम किया,

और फिर छोटा सुअर सीमेंट से बाहर निकला. वो निकलते ही किसान और उसकी पत्नी की बाहों में कूद गया.

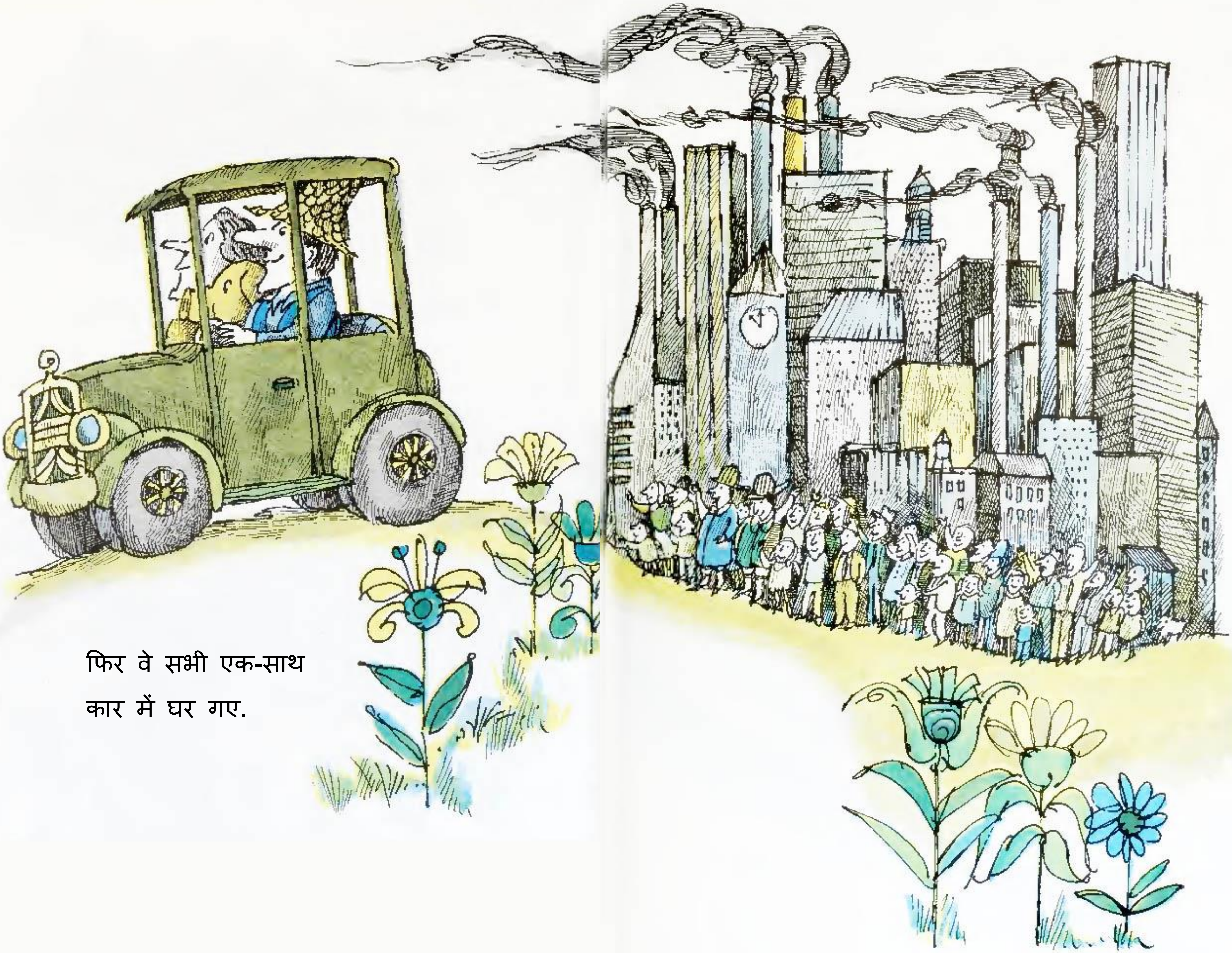

फिर वे सभी एक-साथ
कार में घर गए.

जैसे ही वे फार्म पर पहुँचे,
आसमान में काले बादल छा गए
और ज़ोरदार बारिश होने लगी.

किसान ने कहा, "देखो, सुअर के बाड़े में अब कीचड़-ही-कीचड़ है."

किसान की पत्नी ने कहा, "मैं वादा करती हूँ, कि अब मैं कीचड़ कभी साफ़ नहीं करूंगी."

अंत